C1912055.

63303

Third Semester B.Com.(B.C.L.S.) Degree Examination, August/September 2021

(CBCS Scheme)

Hindi Language

Paper III – NATAK, SARKARI PATRA AUR SANKSHEPAN

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 70*

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द, वाक्यांश या वाक्य में लिखिए। **(10 × 1 = 10)**

1. 'अलख आजादी की' नाटक के लेखक कौन है?
2. मंडली की प्रमुख गायिका का नाम क्या है?
3. सोने की चिडिया कौन सा देश है?
4. पुर्तगल का पहला योरोपियन कौन था?
5. न्यायशील और बुद्धिमान राजा कौन था?
6. ईस्ट इंडिया कम्पनी की स्थापना कब हुई?
7. कोलंबस भारत के स्थान बजाय कहाँ पहुँच गये?
8. प्रस्तुत नाटक किस अपलक्ष्य में लिखा गया?
9. मुस्लिम को शिक्षित करने की दिशा में कौन काम किया?
10. स्वामी विवेकानंद ने किसका विरोध किया?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2 × 6 = 12)**

1. अफसोस मंजिल पर पहुँचने के पहले ही जहाज समुद्र में डूब गया।
2. फिर हमारा कंपटीशन भी तो उन हरामजादें पुर्तगलियों से है जो पहले ही वहाँ जग गए हैं।
3. अंग्रेज सौदगारों की शिकायतें काफी दिनों से हमारे पास आ रही हैं।

III. 'अलख आजादी की' नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(अथवा)

'अलख आजादी की' नाटक में नाटककार द्वारा बताये गये संदेश पर विस्तृत प्रकाश डालिए। **(12)**

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए। **(1 × 6 = 6)**

1. सुंदर बाई

2. जलियाँवाला बाग

V. कोई **दो** पत्र लिखिए। **(2 × 10 = 20)**

1. सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से एक परिपत्र लिखिए, जिसमें दिल्ली राज्य में फैली प्रदूषण को नियंत्रण का आदेश हो।

2. आहार एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय के कार्यालय के स्थानांतरण होने की सूचना देते हुए सभी मंत्रालयों को एक ज्ञापन तैयार कीजिए।

3. सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से सचिव, गृह मंत्रालय, कर्नाटक सरकार, बेंगलूर को एक सामान्य सरकारी पत्र लिखिए। जिसमें हिन्दी की प्रगति का विवरण मांगा गया हो।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। **(1 × 10 = 10)**

बेरोजगारी की समस्या नयी नहीं है। किंतु हाल के वर्षों में कुछ सामाजिक आर्थिक परिवर्तनों के कारण इसका स्तर एवं उसकी गंभीरता बहुत बढ़ गयी है। प्रथमतः हमारी अर्थव्यवस्था एक ओर बढती हुई आबादी और दूसरी ओर हस्तचालित मशीनों से शक्ति चलितों मशीनों में परिवर्तित होने के बढ़ते हुए प्रभाव के कारण अव्यवस्थित हो गई है। द्वितीयतः देश की मध्यवर्गीय अर्थव्यवस्था भूमि का सहारा खो देने तथा संयुक्त परिवार के टूटने के कारण अव्यवस्थित हो गई है। प्रायः प्रत्येक परिवार के एक घर था और भूमि से कुछ न कुछ आयी थी। हम सबका यह सामान्य अनुभव है कि आर्थिक परिस्थितियों के दबाव के कारण संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहा है और पारिवारिक भूमियां शीघ्रता पूर्वक गायब हो रही है। आर्थिक विधान ने उस क्रिया को अधिक तेज बना दिया है।